विसर्ग सन्धि (प्रथम कालांश)

१०३ विसर्जनीयस्य सः

खरि । विष्णुस्त्राता ।।

खर् परे रहते विसर्जनीय के स्थान पर सकार आदेश हो।

विष्णुस्त्राता । विष्णुः + त्राता में विसर्जनीयस्य सः सूत्र से खर् (त्राता के तकार) परे रहने पर विसर्ग को स् हुआ। विष्णुस्त्राता बना।

१०४ वा शरि

शरि विसर्गस्य विसर्गो वा । हरिः शेते, हरिश्शेते ।।

शर् परे रहते विसर्ग के स्थान पर विकल्प से विसर्ग आदेश हो।

हरिः शेते, हरिश्शेते । हरिः + शेते में वा शरि सूत्र से हरिः के विसर्ग को शर् (शेते का शकार) परे रहते विकल्प से विसर्ग हुआ। हरिः शेते बना। विसर्ग के अभाव पक्ष में विसर्जनीयस्य सः सूत्र से विसर्ग को स् होकर हरिस् + शेते हुआ। स्तोः श्चुना श्चुः से हरिश् के सकार को श्चुत्व शकार होकर हरिश्शेते बना।

काव्य में प्रयोग-

कमले कमला शेते हरश्शेते हिमालये।

क्षीराब्धौ च हरिश्शेते मन्ये मत्कुणशङ्कया ।।

१०५ ससजुषो रुः

पदान्तस्य सस्य सजुषश्च रुः स्यात् ।।

पदान्त सकार तथा सजुष् के सकार के स्थान पर रु हो।

१०६ अतो रोरप्लुतादप्लुतादप्लुते

अप्लुतादतः परस्य रोरुः स्यादप्लुतेऽति । शिवोऽर्च्यः ।।

अप्लुत अत् से परे रू को उ हो, अप्लुत अत् परे रहते।

शिवोऽर्च्यः। शिवर् + अर्च्यः में व् का अ अप्लुत अ है, उसके बाद र् है और र् के बाद अर्च्यः का अप्लुत अ है, इसलिए यहाँ र् को उत्व हो गया है।

सिद्धि इस प्रकार है-

शिव सु अर्च्यः	सुप्तिङन्तं पदम् से शिव सु की पद संज्ञा
शिव स् अर्च्यः	सु के उकार का अनुबन्ध लोप
शिव रु अर्च्यः	ससजुषो रुः सूत्र से पदान्त स् को रु
शिव र् अर्च्यः	रु के उकार का अनुबन्ध लोप
शिव उ अर्च्यः	अतोरोरप्लुतादप्लुते सूत्र से र् को उत्व
शिवो अर्च्यः	आद्गुणः सूत्र से गुण
शिवोऽर्च्यः	एङः पदान्तादति सूत्र से पूर्वरूप

१०७ हशि च

तथा । शिवो वन्द्यः ।।

अप्लुत अत् से परे रहते रु को उ आदेश हो, हश् परे रहते।

शिवो वन्द्यः। शिव सु वन्द्यः में सु का अनुबन्ध लोप शिव + स् + वन्द्यः हुआ। ससजुषो रुः सूत्र से स् को रु आदेश हुआ। शिव् + रु + वन्द्यः हुआ। रु के उकार का अनुबन्ध लोप शिव + र् + वन्द्यः हुआ। यहाँ शिव का अकार अप्लुत अत् है अतः हशि च सूत्र से हश् (वन्द्यः का वकार) परे रहते र् को उत्व हुआ। शिव + उ + वन्द्यः हुआ। आद्गुणः सूत्र से अ + उ का गुण एकादेश होकर शिवो वन्द्यः बना।

वेद में प्रयोग-

हिण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।

साजन कुमार
एस बी एस एस कॉलेज बेगूसराय